आईआईएम के 222 छात्र-छात्राओं को मिली उपाधि

रांची | वरीय संवाददाता

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के सातवें दीक्षांत समारोह का आयोजन गुरुवार को डॉ रामदयाल मुंडा कला भवन होटवार में हुआ। भव्य समारोह में संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रम के 222 छात्र-छात्राओं को स्नातकोत्तर डिप्लोमा दिए गए। इसमें प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम) के 134 विद्यार्थी, मानव संसाधन प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएचआरएम) के 51 विद्यार्थी और कार्यकारी प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीईएक्सपी) के 37 विद्यार्थी शामिल हैं। साथ ही इस वर्ष पहली फेलोशिप की उपाधि दी गई।

समारोह की शुरुआत संस्थान के छात्रों ने वंदना गीत के साथ की। समारोह में मुख्य अतिथि एशियन पेंट्स के प्रमोटर जलज अश्विन दानी ने छात्रों को पदक प्रदान किया। आईआईएम के निदेशक प्रो शैलेन्द्र सिंह, दीपक प्रेम नारायण सहित अन्य गणमान्य लोग भी इस मौके पर मौजूद थे। निदेशक ने वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए शैक्षणिक क्षेत्र में हुए कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने सभी स्नातकोत्तर के छात्रों व पदक पाने वालों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

आईआईएम के सातवें दीक्षांत समारोह में एक छात्र को पदक देते अतिथिगण।

भर आईं आंखें

आईआईएम में प्रबंधन की पढ़ाई कर रहे शरद अग्रवाल के निधन के बाद उनकी उपाधि माता-पिता ने ली। उपाधि लेते वक्त दोनों की आंखें भर आयीं। यह देख उपस्थित लोग भी गमगीन हो गए। थोड़ी देर के लिए माहौल शांत हो गया। निदेशक ने कहा कि शरद काफी होनहार छात्र था।

दिव्यांग ईशा के आदर्श हैं हॉकिंग

प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएचआरएम) की छात्रा ईशा अग्रवाल ने वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग को अपना आदर्श बताया। कहा कि बुधवार को हॉकिंग दुनिया को अलविदा कह गए, लेकिन उनके कार्यों को लोग हमेशा याद रखेंगे। वे विकलांग होकर भी कभी अपने काम से पीछे नहीं रहे। हॉकिंग ने ब्लैक होल और बिग बैंग थ्योरी को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। दिव्यांग छात्रा ने बताया कि उसे आज यह उपाधि सभी के सहयोग के कारण मिल रही है।

दिव्यांग ईशा गुरुओं से डिग्री लेती हुई।

07

वें दीक्षांत समारोह का हुआ भव्य आयोजन

पदक से नवाजे

प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीएम, 2016-18)
- प्रथम स्थान गौतमी मकीनेनी
- द्वितीय स्थान किरथन शर्मा
- तृतीय स्थान रणविजय

मानव संसाधन प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीएचआरएम, 2016-18)
- प्रथम स्थान [illegible]ा गुप्ता
- द्वितीय स्थान कार्तिक
- तृतीय स्थान गौरव घोष

कार्यकारी प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीईएक्सपी, 2016-18)
- प्रथम स्थान कुमार संजय स्वर्णी
- द्वितीय स्थान अपराजिता राय
- तृतीय स्थान कुंदन कुमार

दीक्षांत समारोह में मिले मेडल दिखाते छात्र-छात्राएं प्रसन्न मुद्रा में।

बेटे-बेटियों को डिग्री मिलते देख अभिभावक और शिक्षक खुशी से फूले नहीं समा रहे थे।

शरद के निधन के बाद उनके माता-पिता ने डिग्री ली तो माहौल गमगीन हो गया।

Hindustan, 16.03.2018, Pg. 23